

भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2278 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025/ 10 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है

पोत का संचालन

†2278. श्री लक्ष्मीकान्त पप्पू निषाद:

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की 'कृपा करेंगे कि:

- (क) जल मार्ग विकास परियोजना के अंतर्गत वाराणसी से हल्दिया तक गंगा नदी पर पोत संचालन कब तक शुरू होने की संभावना है;
- (ख) क्या पोत संचालन के माध्यम से उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के मल्लाह और मछुआरा समुदाय के लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं;
- (ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) जल मार्ग विकास परियोजना के अंतर्गत वाराणसी, उत्तर प्रदेश से हल्दिया, पश्चिम बंगाल तक गंगा नदी पर जहाज संचालन की कुल लागत कितनी है; और
- (ङ) इस मार्ग पर प्रतिदिन कितने पोतों के संचालन का अनुमान है और उनका ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): हल्दिया से वाराणसी तक गंगा नदी [राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (रा.ज.-1) गंगा- भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली] पर अंतर्देशीय जलयानों का नौवहन चल रहा है।

(ख) और (ग): जलमार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) राष्ट्रीय जलमार्ग- 1 (रा.ज.-1), जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से होकर गुजरती है, के क्षमता संवर्धन हेतु विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त परियोजना है। जेएमवीपी के कार्यान्वयन से 1.3 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार की परिकल्पना की गई है। जेएमवीपी के तहत गंगा नदी के तट पर सामाजिक- आर्थिक विकास को सक्रिय करने के उद्देश्य से फेयरवे, नौचालन सहायताएं, सामुदायिक जेट्टियां और टर्मिनल पहले से ही विकसित की गई है। इन सुविधाओं का उद्देश्य गंगा नदी के तट और आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सरल लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान कर समावेशी विकास और बेहतर आजीविका प्रदान करना है। रा.ज.-1 के साथ में तिरेपन (53) सामुदायिक जेट्टियां पहले से ही शुरू की गई है, जिससे किसानों, मल्लाह,

मछुआरों, स्थानीय व्यापारियों, उद्यान विशेषज्ञों और कारीगरों आदि को रोज़गार अवसर प्रदान कर लाभ मिलेगा।

(घ): वाराणसी, उत्तर प्रदेश से हल्दिया, पश्चिम बंगाल तक गंगा नदी पर एक पोत के नौचालन की लागत उसके आकार, ड्राफ्ट, इंजन क्षमता , कार्गो भार, नदी के बहाव आदि पर आधारित होती है। विश्व बैंक द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) माध्यम की परिचालन लागत 1.2 रु. पर टन कि.मी. है।

(ङ): वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रा.ज.-1 पर 4,229 जलयानों की आवाजाही रिकॉर्ड की गई है।
